This Question Paper consists of **51** questions and **12** printed pages.
अस्मिन् प्रश्नपत्रे **51** प्रश्नाः एवम् **12** मुद्रित पृष्ठाः सन्ति।
इस प्रश्न-पत्र में **51** प्रश्न तथा **12** मुद्रित पृष्ठ हैं।

Roll No.
अनुक्रमाङ्कः

Code No. 71/SS/345
गूढसंख्या

SET/सेट- **A**

VEDA ADHYAYAN
वेदाध्ययनम्
वेद अध्ययन
(345)

Day and Date of Examination
(परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च) ______________________

Signature of Invigilators : 1. ______________________
(निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम्)
2. ______________________

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

सामान्य अनुदेशाः/सामान्य निर्देश :

1. अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः।
प्रश्न-पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।
2. निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां च संख्या प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।
प्रश्न-पत्र को जाँच लें कि प्रश्न-पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के प्रारम्भ में छपी है और प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।
3. वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।
वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में चार विकल्पों (क), (ख), (ग) तथा (घ) में से सही उत्तर चुनकर उत्तर-पत्र में लिखना है।
4. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।
सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखना हैं।
5. उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।
उत्तर-पत्र में पहचान-चिन्ह बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी लिखना सर्वथा वर्जित है।
6. स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या **71/SS/A – A**, नूनं लेख्या।
अपने उत्तर-पत्र में प्रश्न-पत्र का कोड नं. **71/SS/A - A** अवश्य लिखें।
7. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।
सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में ही लिखें।

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

VEDA ADHYAYAN

वेदाध्ययनम्

वेद अध्ययन

(345)

परीक्षासमयावधि: (समय) : होरात्रयम् (3 घण्टे)] **[पूर्णाङ्का: (अधिकतम अंक) : 100**

निर्देशा: (i) अस्मिन् प्रश्नपत्रे **[A]** भागे **20**, **[B]** भागे **15**, **[C]** भागे **6**, **[D]** भागे **6**, **[E]** भागे **4**, इति आहत्य **51** प्रश्ना: सन्ति।

निर्देश : इस प्रश्न-पत्र में **[A]** भाग में **20**, **[B]** भाग में **15**, **[C]** भाग में **6**, **[D]** भाग में **6**, **[E]** भाग में **4**, कुल मिलाकर **51** प्रश्न शामिल हैं।

(ii) **सर्वे** प्रश्ना: अनिवार्य:।

सभी प्रश्ना अनिवार्य हैं।

(iii) प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काxप्रश्ना:=पूर्णाङ्का) इति एवम् अङ्कान् निर्दिशति।

प्रश्न के दाहिनी ओर की संख्या (अङ्कxप्रश्न=पूर्णाङ्क) अंक को सूचित करती है।

(iv) **A** भागे प्र. सं. **1** त: **20** पर्यन्तं वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पप्रकारस्य प्रश्ना: **[MCQs]** येषु प्रत्येकम् एक: अङ्क: भवति। एतेषु प्रत्येकस्मिन् प्रश्ने दत्तचतुर्णां विकल्पानां मध्ये सर्वाधिकम् उपयुक्तं विकल्पं चित्वा लिखन्तु।

A भाग में प्र. सं. **1** से **20** तक वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न **[MCQ]** प्रत्येक एक अंक के होंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न में दिए गए चार विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प चुनें और लिखें।

(v) **B** भागे प्र. सं. **21** त: **35** पर्यन्तम् वस्तुनिष्ठप्रश्ना:/मेलनम्, रिक्तस्थानानि, सत्यम्-असत्यम् इत्यादि।। प्रत्येकं प्रश्न: अङ्कद्वयात्मका: सन्ति। ते यथानिर्देशं समाधेया:।

भाग **B** में प्रश्न **21** से **35** तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न/मिलान, रिक्त स्थान, सत्य-असत्य आदि हैं। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है। उन्हें निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

(vi) **C** भागे प्र. सं. **36** त: **41** पर्यन्तम्-अतिलघूत्तरीया: प्रश्ना: प्रत्येकम् अङ्कद्वयात्मका: सन्ति। ते यथानिर्देशं **30** त: **50** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेया:।

भाग **C** में प्रश्न संख्या **36** से **41** तक प्रत्येक दो-दो अंक का अति लघु उत्तरीय प्रश्न है। निर्देशानुसार उन्हें **30** से **50** शब्दों की सीमा में उत्तर लिखना चाहिए।

(vii) **D** भागे प्र. सं. **42** त: **47** पर्यन्तम्-अतिलघूत्तरीया: प्रश्ना: प्रत्येकम् अङ्कद्वयात्मका: सन्ति। ते यथानिर्देशं **50** त: **80** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेया:।

भाग **D** में प्रश्न संख्या **42** से **47** तक प्रत्येक तीन अंक के लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार उन्हें **50** से **80** शब्दों की सीमा में उत्तर लिखना चाहिए।

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

(viii) **E** भागे प्र. सं. **48** त: **51** पर्यन्तम्-दिर्घोत्तरीया: प्रश्ना: प्रत्येकम् पञ्च अंकात्मका: सन्ति। ते यथानिर्देशं **80** त: **100** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेया:।

भाग **E** में प्रश्न संख्या **48** से **51** तक प्रत्येक पांच अंक के दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार उन्हें **80** से **100** शब्दों की सीमा में उत्तर लिखना चाहिए।

(ix) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एवं लेख्यानि।

सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में ही लिखे जाने चाहिए।

(x) स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या नूनं लेख्या।

अपनी उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न पत्र का गुप्त क्रमांक अवश्य लिखें।

(xi) उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थान विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।

उत्तर पुस्तिका पर स्व-पहचान लिखना या निर्धारि स्थान को छोड़कर कहीं भी क्रमांक लिखना सख्त वर्जित है।

(xii) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारीतसमये एव लेख्यानि।

सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय के अंदर लिखने होंगे।

(xiii) निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पुटसंख्या प्रश्नानां च संख्या प्रथमपुटस्य प्रारम्भे प्रदउसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रम: सम्यग् न वा।

जांचें की क्या प्रश्नपत्र की पत्रसंख्या और प्रश्नों की संख्या पहली पत्र की शुरुआत में दी गई संख्या के समान है या नहीं। प्रश्न क्रम सही है या नहीं

(xiv) अनुक्रमाङ: प्रश्नपत्रस्य प्रथमपुटे नूनं लेख्य:।

प्रश्न पत्र के प्रथम पत्र में अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

NOTE / निर्देश :

(1) Answers of all questions are to be given in the Answer-Book given to you.

सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गयी उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।

(2) 15 minutes time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 02.15 p.m. From 02.15 p.m. to 02.30 p.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण दोपहर में 02.15 बजे किया जाएगा। 02.15 बजे से 02.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंग।

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

खण्ड - A

अधोलिखितानां विंशतिप्रश्नानां (1-20) प्रदत्तविकल्पेषु युक्तं विकल्पं चिनुत - 20x1=20

अधोलिखित बीस (1-20) प्रश्नों के उचित विकल्प चुनकर लिखिए -

1. वेदव्यास: अथर्ववेदं कम् अध्यापयत् ? 1

(क) सुमन्तुम् (ख) जाजलिम् (ग) शौनकम् (घ) बभ्रुम्

वेदव्यास ने किसे अथर्ववेद पढ़ाया ?

(क) सुमन्तु को (ख) जाजलि को (ग) शौनक को (घ) बभ्रु को

2. दिवसाना देवता का ? 1

(क) वरुण: (ख) इन्द्र: (ग) मित्र: (घ) अग्नि:

दिवसों का देवता कौन है ?

(क) वरुण (ख) इन्द्र (ग) मित्र (घ) अग्नि

3. ऋग्वेदसम्बद्धमारण्यकं किम् ? 1

(क) बृहदारण्यकम् (ख) गोपथम् (ग) छान्दोग्यम् (घ) शाङ्ख्यायनम्

ऋग्वेद से सम्बद्ध आरण्यक कौन सा है ?

(क) बृहदारण्यक (ख) गोपथ (ग) छान्दोग्य (घ) शाङ्ख्यायन

4. सामवेदस्य कल्पसूत्रम् अस्ति : 1

(क) बौधायनसूत्रम् (ख) गोभिलगृह्यसूत्रम् (ग) आपस्तम्बसूत्रम् (घ) पारस्करगृह्यसूत्रम्

सामवेद का कल्पसूत्र है :

(क) बौधायनसूत्र (ख) गोभिलगृह्यसूत्र (ग) आपस्तम्बसूत्र (घ) पारस्करगृह्यसूत्र

5. 'वेदाङ्गम्' पदे अङ्गशब्दस्य कोऽर्थ: ?

(क) शक्ति: (ख) गात्रम् (ग) उपकारक: (घ) गौणम् 1

'वेदाङ्ग' पद में अङ्ग शब्द का क्या अर्थ है ?

(क) शक्ति (ख) गात्र (ग) उपकारक (घ) गौण

6. अथर्ववेदस्य अपराभिधानं नास्ति : 1

(क) ब्रह्मवेद: (ख) भूतवेद: (ग) अङ्गिरोवेद: (घ) अथर्वाङ्गिरसवेद:

अथर्ववेद का अन्य नाम नहीं है :

(क) ब्रह्मवेद (ख) भूतवेद (ग) अङ्गिरोवेद (घ) अथर्वाङ्गिरसवेद

7. वायुपुराणे क: वेद: 'द्विशरीरशिरा:' इति कथ्यते ? 1

(क) ऋग्वेद: (ख) यजुर्वेद : (ग) सामवेद: (घ) अथर्ववेद:

वायुपुराणे में किस वेद को 'द्विशरीरशिरा:' कहा गया है ?

(क) ऋग्वेद (ख) यजुर्वेद (ग) सामवेद (घ) अथर्ववेद

8. ब्राह्मणग्रन्थेषु किं ब्राह्मणं गुरुतमम् ? 1

(क) ऐतरेयब्राह्मणम् (ख) शतपथब्राह्मणम् (ग) ताण्ड्यब्राह्मणम् (घ) गोपथब्राह्मणम्

ब्राह्मणग्रन्थों में कौनसा ब्राह्मण गुरुतम (बड़ा) है ?

(क) ऐतरेयब्राह्मण (ख) शतपथब्राह्मण (ग) ताण्ड्यब्राह्मण (घ) गोपथब्राह्मण

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR
UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

9. शाङ्ख्यायनस्य गुरु: क: ? 1

(क) कौषीतकि: (ख) जाबाल: (ग) बभ्रु: (घ) भृगु:

शाङ्ख्यायन के गुरु कौन है ?

(क) कौषीतकि (ख) जाबाल (ग) बभ्रु (घ) भृगु

10. 'उञ्छादीनाञ्च' इत्यनेन सूत्रेण क: स्वर: विधीयते ? 1

(क) आद्युदात्त: (ख) अन्तोदात्त: (ग) स्वरित: (घ) अन्तानुदात्त:

'उञ्छादीनाञ्च' इस सूत्र से कौनसे स्वर का विधान होता है ?

(क) आद्युदात्त (ख) अन्तोदात्त (ग) स्वरित (घ) अन्तानुदात्त

11. 'राजपुरुष:' इत्यत्र अन्त्ये अकारे क: स्वर: ? 1

(क) उदात्त: (ख) अनुदात्त: (ग) स्वरित: (घ) न कोऽपि

'राजपुरुष' यहाँ अन्त्य अकार में कौनसा स्वर है ?

(क) उदात्त (ख) अनुदात्त (ग) स्वरित (घ) कोई भी नहीं

12. तित्-प्रत्ययस्य क: स्वर: ? 1

(क) उदात्त: (ख) अनुदात्त: (ग) स्वरित: (घ) न कोऽपि

तित्-प्रत्ययान्त में कौनसा स्वर होता है ?

(क) उदात्त (ख) अनुदात्त (ग) स्वरित (घ) कोई भी नहीं

13. अग्निसूक्ते किं छन्द: ? 1

(क) गायत्री (ख) त्रिष्टुप् (ग) उष्णिक् (घ) अनुष्टुप्

अग्निसूक्त में कौनसा छन्द है ?

(क) गायत्री (ख) त्रिष्टुप् (ग) उष्णिक् (घ) अनुष्टुप्

14. अग्नि: कस्य पुत्रत्वेन परिकल्पित: ? 1

(क) द्यावापृथिव्यो: (ख) मित्रावरुणयो: (ग) इन्द्रस्य (घ) सोमस्य

अग्नि के किसके पुत्र के रूप में परिकल्पित किया गया है ?

(क) द्यावापृथिवी के (ख) मित्रावरुण के (ग) इन्द्र के (घ) सोम के

15. 'जिहीळे' इत्यत्र क: धातु: ? 1

(क) हीड् (ख) हुड् (ग) ह्री (घ) हुडि

'जिहीळे' यहाँ कौन सा धातु है ?

(क) हीड् (ख) हुड् (ग) ह्री (घ) हुडि

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

16. पर्जन्यसूक्तस्य ऋषि: क: ? 1

(क) मधुच्छन्द: (ख) विश्वामित्र (ग) अत्रि: (घ) भृगु:

पर्जन्यसूक्त के ऋषि कौन है ?

(क) मधुच्छन्द (ख) विश्वामित्र (ग) अत्रि (घ) भृगु

17. मनुमत्स्यकथा कस्मिन् ब्राह्मणे वर्त्तते ? 1

(क) शतपथब्राह्मणे (ख) छान्दोग्यब्राह्मणे (ग) गोपथब्राह्मणे (घ) तैत्तिरीयब्राह्मणे

मनुमत्स्यकथा किस ब्राह्मण में है ?

(क) शतपथब्राह्मण में (ख) छान्दोग्यब्राह्मण में (ग) गोपथब्राह्मण में (घ) तैत्तिरीयब्राह्मण में

18. क: पृथिवीलोकं द्युलोकं च सृजति ? 1

(क) इन्द्र: (ख) अग्नि: (ग) प्रजापति: (घ) सूर्य:

कौन पृथिवीलोक और द्युलोक का सृजन करता है ?

(क) इन्द्र (ख) अग्नि (ग) प्रजापति (घ) सूर्य

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

19. रुद्राध्याये 'हेड' इत्यस्य कोऽर्थ: ? 1

(क) प्रेम (ख) दया (ग) करुणा (घ) क्रोध:

रुद्राध्याय में 'हेड' के क्या अर्थ है ?

(क) प्रेम (ख) दया (ग) करुणा (घ) क्रोध:

20. पणि: देवतानां किं चोरितवान् ? 1

(क) गा: (ख) वस्त्राणि (ग) धनम् (घ) शस्त्राणि

पणि ने देवताओं का क्या चुराया ?

(क) गायें (ख) वस्त्र (ग) धन (घ) शस्त्र

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

खण्ड - B

पञ्चादशप्रश्नानां (21-35) यथानिर्देशम् उत्तराणि ददत - **15x2=30**

निर्देश के अनुसार (21-35) पन्द्रह प्रश्नों के उत्तर दें -

21. मेलनं कुरुत –

	सूत्रम्			उदाहरणम्
(क)	गतिर्गतौ	-	(1)	यो भुङ्क्ते
(ख)	तिङि चोदात्तवती	-	(2)	यत्प्रपचति
		-	(3)	अभ्युद्धरति

मिलान कीजिए –

	सूत्र			उदाहरण
(क)	गतिर्गतौ	-	(1)	यो भुङ्क्ते
(ख)	तिङि चोदात्तवती	-	(2)	यत्प्रपचति
		-	(3)	अभ्युद्धरति

22. मेलनं कुरुत –

	सूत्रम्			विधानम्
(क)	समासस्य	-	(1)	आद्युदात्त:
(ख)	वा भुवनम्	-	(2)	अन्तोदात्त:
		-	(3)	प्रकृतिस्वर:

मिलान कीजिए –

	सूत्र			विधानम्
(क)	समासस्य	-	(1)	आद्युदात्त
(ख)	वा भुवनम्	-	(2)	अन्तोदात्त
		-	(3)	प्रकृतिस्वर

23. मेलनं कुरुत –

	सूत्रम्			सूत्रभेद:
(क)	आद्युदात्तश्च	-	(1)	सञ्ज्ञासूत्रम्
(ख)	अनुदात्तौ सुप्पितौ	-	(2)	अधिकारसूत्रम्
		-	(3)	विधिसूत्रम्

मिलान कीजिए –

	सूत्र			सूत्रभेद
(क)	आद्युदात्तश्च	-	(1)	सञ्ज्ञासूत्र
(ख)	अनुदात्तौ सुप्पितौ	-	(2)	अधिकारसूत्र
		-	(3)	विधिसूत्र

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

24. मेलनं कुरुत –

	उदाहरणम्			उदाहरणभेद:
(क)	एव	-	(1)	अन्तोदात्त:
(ख)	वाचौ	-	(2)	आद्युदात्त:
		-	(3)	उभावुदात्तौ

मिलान कीजिए –

	उदाहरण			उदाहरणभेद
(क)	एव	-	(1)	अन्तोदात्त
(ख)	वाचौ	-	(2)	आद्युदात्त
		-	(3)	दोनों उदात्त

25. मेलनं कुरुत –

	सूत्रम्			उदाहरणम्
(क)	ङयि च	-	(1)	तव
(ख)	युष्मदस्मदोर्ङसि	-	(2)	युष्माकम्
		-	(3)	तुभ्यम्

मिलान कीजिए –

	सूत्र			उदाहरण
(क)	ङयि च	-	(1)	तव
(ख)	युष्मदस्मदोर्ङसि	-	(2)	युष्माकम्
		-	(3)	तुभ्यम्

26. अधोलिखिते वाक्ये पठित्वा सत्यासत्यं चिनुत -

(क) उपमानशब्द: सञ्ज्ञायाम् अन्तोदात्त: भवति।

(ख) वृषादिगणपठिता: शब्दा: आद्युदात्त: भवन्ति।

अधोलिखित वाक्यों को पढ़कर सत्य और असत्य का चयन कीजिए -

(क) उपमान शब्द संज्ञा होने पर अन्तोदात्त होता है।

(ख) वृषादिगण में पठित शब्द आद्युदात्त होते हैं।

27. अधोलिखिते वाक्ये पठित्वा सत्यासत्यं चिनुत -

(क) भरद्वाजशिक्षाया: सम्बन्ध: तैत्तिरीयसंहितया सह अस्ति।

(ख) माण्डव्यशिक्षा ऋग्वेदेन सह सम्बद्धा अस्ति।

अधोलिखित वाक्यों को पढ़कर सत्य और असत्य का चयन कीजिए –

(क) भरद्वाज शिक्षा का संबंध तैत्तिरीय संहिता के साथ है।

(ख) माण्डव्य शिक्षा ऋग्वेद से सम्बंधित है।

28. अधोलिखिते वाक्ये पठित्वा सत्यासत्यं चिनुत -

(क) ग्रन्थवाची ब्राह्मणशब्द: विशेषत: नपुंसकलिङ्गे एव प्रयुक्तो भवति।

(ख) वेदो द्विविधो – मन्त्ररूप: ब्राह्मणरूपश्च।

अधोलिखित वाक्यों को पढ़कर सत्य और असत्य का चयन कीजिए –

(क) ग्रन्थवाची ब्राह्मण शब्द विशेष रूप से नपुंसक लिंग में ही प्रयोग होता है।

(ख) वेद दो प्रकार का है – मन्त्ररूप और ब्राह्मणरूप।

UNNATI EDUCATIONS EK KADAM UNNATI KI AUR

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

29. अधोलिखिते वाक्ये पठित्वा सत्यासत्यं चिनुत -

(क) शाङ्ख्यायनारण्यके षोडश: अध्याया: सन्ति।

(ख) बृहदारण्यकं यजुर्वेदेन सह सम्बद्धमस्ति।

अधोलिखित वाक्यों को पढ़कर सत्य और असत्य का चयन कीजिए –

(क) शांख्यायन आरण्यक में सोलह अध्याय हैं।

(ख) बृहदारण्यक यजुर्वेद के साथ सम्बद्ध है।

30. अधोलिखिते वाक्ये पठित्वा सत्यासत्यं चिनुत -

(क) अक्षसूक्तस्य ऋषि: ऐलूषकवष: अस्ति।

(ख) महर्षे: मनो: कृते तस्य भृत्या: स्नानार्थं जलम् आनीतवन्त:।

अधोलिखित वाक्यों को पढ़कर सत्य और असत्य का चयन कीजिए –

(क) अक्षसूक्त के ऋषि ऐलूषकवष है।

(ख) महर्षि मनु के लिए उनके सेवकों ने स्नान के लिए जल लाया।

31. रिक्तस्थानं योग्यपदेन पूरयत -

(क) अग्ने यं यज्ञमध्वरं __________ परिभूरसि।

(ख) स न: __________ सूनवेऽग्ने सूपायनो भव।

रिक्त स्थान की योग्य पद से पूर्ति कीजिए -

(क) अग्ने यं यज्ञमध्वरं __________ परिभूरसि।

(ख) स न: __________ सूनवेऽग्ने सूपायनो भव।

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

32. रिक्तस्थानं योग्यपदेन पूरयत -

(क) अक्षै: मा __________। कृषिमित्कृषस्व।

(ख) तन्मे __________ मन: शिवसङ्कल्पमस्तु।

रिक्त स्थान की योग्य पद से पूर्ति कीजिए -

(क) अक्षै: मा __________। कृषिमित्कृषस्व।

(ख) तन्मे __________ मन: शिवसङ्कल्पमस्तु।

33. रिक्तस्थानं योग्यपदेन पूरयत -

(क) न तस्य __________ प्रतिमा अस्ति यस्य नाम महद्यश:।

(ख) नमस्ते रुद्र __________ उतो तऽइषवे नम:।

रिक्त स्थान की योग्य पद से पूर्ति कीजिए -

(क) न तस्य __________ प्रतिमा अस्ति यस्य नाम महद्यश:।

(ख) नमस्ते रुद्र __________ उतो तऽइषवे नम:।

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

34. रिक्तस्थानं योग्यपदेन पूरयत -
(क) नमोस्तु ___________ सहस्त्राक्षाय मीढूषे।
(ख) माता ___________ पुत्रो अहं पृथिव्या:।
रिक्त स्थान की योग्य पद से पूर्ति कीजिए -
(क) नमोस्तु ___________ सहस्त्राक्षाय मीढूषे।
(ख) माता ___________ पुत्रो अहं पृथिव्या:।

35. रिक्तस्थानं योग्यपदेन पूरयत -
(क) विश्वम्भरा वसुधानी प्रतिष्ठा ___________ जगतो निवेशनि।
(ख) स एव जात: स ___________ प्रत्यङ्जनास्तिष्ठति सर्वतोमुख:।
रिक्त स्थान की योग्य पद से पूर्ति कीजिए -
(क) विश्वम्भरा वसुधानी प्रतिष्ठा ___________ जगतो निवेशनि।
(ख) स एव जात: स ___________ प्रत्यङ्जनास्तिष्ठति सर्वतोमुख:।

खण्ड - C

षण्णां प्रश्नानां यथानिर्देसम् उत्तराणि लिखत - 6x2=12
निर्देशानुसार **छह** प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

36. सरमापणिसंवादसूक्तं क्व वर्त्तते ? सूक्तसङ्ख्या च का ?
अथवा
सरमा का ? पणिश्च क: ?
सरमापणि संवाद सूक्त कहाँ है ? और सूक्तसंख्या क्या है ?
अथवा
सरमा कौन है ? और पणि कौन है ?

37. रुद्रस्य के के वर्णा: सन्ति ?
अथवा
नीलग्रीव: कस्य विशेषणमस्ति ?
रुद्र के कौन कौन से वर्ण हैं?
अथवा
नीलग्रीव किसका विशेषण है ?

38. अथर्ववेदस्य कति शाखा: सम्प्रति प्राप्यन्ते ? काश्च ता: ?
अथर्ववेद की कितनी शाखाएँ आज कल प्राप्त होती हैं ? और वे कौन सी हैं?

39. सायणमते शिक्षा का ?
अथवा
क: ५० उपनिषद: पारसीभाषायाम् अनूदितवान् ?
सायण के मत में शिक्षा किसे कहते है ?
अथवा
किसने ५० उपनिषदों का पारसीभाषा में अनुवाद किया ?

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

40. 'यूपदारु' पदे क: स्वर : ? तद्विधायकं सूत्रं लिखत।
'यूपदारु' पद में कौन सा स्वर है ? तद्विधायक सूत्र लिखें।

41. 'आहो उताहो चानन्तरम' इति सूत्रस्य अर्थम् उदाहरणं च लिखत।
'आहो उताहो चानन्तरम' इस सूत्र का अर्थ और उदाहरण लिखे।

खण्ड - D

षट् अनतिदीर्घोत्तरै: समाधत्त - **6x3=18**

छह लघु प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

42. धातुस्वरविधायकं सूत्रद्वयं सोदाहरणं लिखत।
धातुस्वर विधायक दो सूत्र उदाहरण सहित लिखिए।

43. 'फिषोऽन्त: उदात्त:' इति सूत्रं व्याख्यात।
अथवा
'निपाता: आद्युदात्ता:' इति सूत्रं व्याख्यात।
'फिषोऽन्त: उदात्त:' इस सूत्र की व्याख्या कीजिए।
अथवा
'निपाता: आद्युदात्ता:' इस सूत्र की व्याख्या कीजिए।

44. प्रत्ययस्वरा: के भवन्ति सोदाहरणं विवृणुत।
प्रत्ययस्वरा क्या होते हैं ? उदाहरण सहित विवेचना कीजिए।

45. तिङन्तस्वरा: के भवन्ति सोदाहरणं विवृणुत।
अथवा
'हन्त च' इति सूत्रं व्याख्यात।
समास स्वर क्या होते हैं ? उदाहरण सहित विवेचना कीजिए।
अथवा
'हन्त च' इस सूत्र की व्याख्या कीजिए।

46. अभिक्षिपन्, उदीरते, विभाय इति पदत्रयस्य परिचयं ददत।
अथवा
नेनीयते, जविष्ठम्, अभीषुभि: इति पदत्रयस्य परिचयं ददत
अभिक्षिपन्, उदीरते, विभाय इन तीन पदों का परिचय दीजिए।
अथवा
नेनीयते, जविष्ठम्, अभीषुभि: इन तीन पदों का परिचय दीजिए।

47. पृथिवीसूक्तनये कति तत्त्वानि पृथिवीं धारयन्ति ? कानि च तानि ?
पृथिवीसूक्त के अनुसार कितने तत्त्व पृथिवी को धारण करते हैं ? और वे कौनसे हैं ?

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279

खण्ड - E **4x5=20**

चत्वार: दीर्घोत्तरै: समाधेया:।

चार दीर्घ प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

48. अग्निसूक्तदिशा अग्ने: स्वरूपं विस्तरेण विवृणुत।

अथवा

पृथिवीसूक्तदिशा पृथिव्या: वैशिष्टं विवृणुत।

अग्निसूक्त के अनुसार अग्नि के स्वरूप का विस्तार से विवेचन कीजिए।

अथवा

पृथिवीसूक्त के अनुसार पृथिवी की विशेषता का वर्णन कीजिए।

49. रुद्राध्यायमाधृत्य रुद्रस्वरुपं विस्तरेण विवृणुत।

रुद्राध्याय के अनुसार रुद्र का स्वरूप विस्तार से वर्णन कीजिए।

50. 'समासस्वरा:' इति विषयं सोदाहरणं विवृणुत।

'समासस्वर' इस विषय का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

51. वेदाङगपरिचयपुरस्सरं निरुक्तमाधृत्य लघुलेखं लिखत।

वेदाङ्ग परिचय के साथ निरुक्त पर लघुलेख लिखिए।

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

-o O o-

UNNATI EDUCATIONS
9899436384: 9654-279-279